ट्विटर के सीईओ जैक दोरजी ने राहत कार्यों के लिए दिए 7500 करोड़ रुपये

सैन फ्रांसिस्को, एएफपी : ट्विटर के सह-संस्थापक और सीईओ जैक दोरजी ने कहा कि वह अपने परोपकारी फंड के जरिये कोरोना वायरस संक्रमण से निपटने के लिए अपनी निजी संपत्ति से करीब 7500 करोड़ रुपये (एक अरब डॉलर) दान देंगे। दोरजी ने मंगलवार को कई ट्वीट करके बताया कि वह अपने शेयर अपनी निजी संपत्ति से डिजिटल पेमेंट ग्रुप स्कावयर को ट्रांसफर कर देंगे। यह उनके कॉरपोरेशन स्टार्ट स्माल से संबद्ध होगी। इसमें उनकी कुल संपत्ति का 28 फीसद हिस्सा है।

उन्होंने कहा, 'ऐसा इस समय करने की बहुत जरूरत है और मैं अपने जीवनकाल में इसका असर देखना चाहता हूं।' उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह दूसरों को भी कुछ ऐसा करने के लिए प्रेरित करता है। जीवन बहुत छोटा है, इसलिए अब हम लोगों की मदद करने के लिए, जो कर सकते हैं, वो सब कुछ करें।' दोरजी ने कहा कि

- अपनी निजी संपत्ति से डिजिटल पेमेंट ग्रुप स्कावयर को ट्रांसफर करेंगे
- कहा-जीवन बहुत छोटा है, मैं अपने जीवनकाल में इसका असर देखना चाहता हूं

जैक दोरजी। फाइल

जब यह महामारी खत्म हो जाएगी तो वह स्वास्थ्य और लड़कियों की शिक्षा पर तो ध्यान देंगे ही, साथ ही 'वैश्विक मूल आय' के लिए भी प्रयासरत होंगे। दोरजी के पास ट्विटर और स्क्वायर की हिस्सेदारी समेत कुल 3 अरब डॉलर की संपत्ति है।

उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस के लिए किसी एक व्यक्ति की ओर से दिया जाने वाले दान में यह अब तक की सबसे बड़ी धनराशि है। इस अमेरिकी उद्योगपति ने यह धनराशि देने का ऐलान ऐसे समय में किया है, जब अमेरिका समेत पूरा विश्व इस महामारी से जूझ रहा है। खासकर सबसे विकसित देश अमेरिका की इस महामारी ने स्वास्थ्य और आर्थिक क्षेत्र में कमर तोड़ दी है।

ध्यान रहे कि दोरजी ट्विटर और स्कावयर दोनों ही कंपनियों के सीईओ हैं। इसके अलावा उन्होंने फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग की ही तरह स्टार्ट स्माल एलएलसी नाम का एक फाउंडेशन बनाया है। दोरजी इस फंड से स्टार्ट अप को फाइनेंस करते हैं। उन्होंने एक लिंक साझा किया जिसके मुताबिक स्टीव जॉब्स की विधवा लॉरिन पावेल जॉब्स और अभिनेता लियोनार्डो दिकैपरियो ने शुरू किया है। इसका नाम अमेरिकाज फूड फंड है।

मिस इंग्लैंड डॉ. भाषा मुखर्जी ने ब्रिटेन में अब डॉक्टरी पेशा अपनाया

लंदन, प्रेट्र : भारतीय मूल की ब्रिटिश नागरिक मिस इंग्लैंड डॉ.भाषा मुखर्जी कोरोना वायरस से जंग में मैदान में उतर गई हैं। 2019 में ही मिस इंग्लैंड चुनी गईं डॉ. भाषा मुखर्जी ने एक बार फिर आला थाम लिया है। कोरोना के खिलाफ लड़ाई में वह बॉस्टन स्थित पिलग्रिम अस्पताल से जुड़ गई हैं। उन्होंने बुधवार को यह जानकारी खुद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिये दी। इस पर जारी वीडियो में वह डॉक्टरों और नर्सों के साथ डॉक्टर का कोट पहने और आला थामे नजर आ रही हैं।

एक चैरिटी अभियान के तहत भारत आईं 24 वर्षीय भाषा मुखर्जी ने संकट के इस समय में ब्रिटेन लौटकर लिंकनशायर के बॉस्टन स्थित पिलग्रिम अस्पताल में बतौर जूनियर डॉक्टर नौकरी शुरू कर दी है। भाषा का बचपन कोलकाता में बीता है। वह अगस्त 2019 में मिस इंग्लैंड चुनी गई थीं और उसके बाद से ही मानवतावादी कार्यों के लिए दुनियाभर में यात्रा कर रही थीं। दिसंबर 2019 में उन्होंने मिस वर्ल्ड के लिए इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया था। लेकिन जब देश संकट के समय से गुजर रहा है तो उन्होंने फिर से अपनी डॉक्टरी पेशे में उतरने का फैसला किया।

ब्रिटिश पीएम जॉनसन की हालत में सुधार

लंदन, एजेंसियां : कोरोना वायरस से संक्रमित ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की हालत सुधर रही है। हालांकि वह अभी भी आइसीयू में हैं, लेकिन अब वह बिस्तर पर बैठ पा रहे हैं और चिकित्सा कर्मियों से बातचीत कर रहे हैं। ब्रिटेन के वित्त मंत्री ऋषि सुनक ने बुधवार को यह जानकारी दी।

दस दिन बाद भी कोरोना के लक्षण दिखाई देने के बाद प्रधानमंत्री जॉनसन को रविवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन हालत में सुधार नहीं होने के कारण सोमवार को उन्हें सेंट थॉमस हॉस्पिटल के आइसीयू में भर्ती करना पड़ा था। जॉनसन की जगह प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभाल रहे विदेश मंत्री डोमिनिक राब ने बताया कि प्रधानमंत्री जल्द ही स्वस्थ होकर लौटेंगे। वहीं, प्रधानमंत्री कार्यालय की प्रवक्ता ने कहा कि पीएम की हालत स्थिर है। वह करीबी निगरानी के लिए आइसीयू में रहेंगे। वह बिना किसी सहायता के सांस ले रहे हैं और उन्हें अभी वेंटीलेटर की जरूरत नहीं है। ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री एडवर्ड अरगर ने भी यहीं बातें दोहराईं।

एक दिन में 938 मरीजों की मौत : ब्रिटेन में मंगलवार को कोरोना वायरस के 938 मरीजों की मौत हो गई।

भारतीय मूल के ऋषि सुनक के हाथ में आ सकती है ब्रिटिश सरकार की कमान

लंदन, प्रेट्र : भारतीय मूल के ब्रिटिश वित्त मंत्री ऋषि सुनक प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की गैरमौजूदगी में उनके डिप्टी के रूप में काम करने के लिए विदेश मंत्री डोमिनिक राब के बाद अग्रिम पंक्ति में खड़े हैं। महामारी के चलते अगर राब जॉनसन के डिप्टी के रूप में काम करने में असमर्थ होते हैं तो यह जिम्मेदारी सुनक के कंधों पर आ जाएगी। प्रधानमंत्री कार्यालय डाउनिंग स्ट्रीट ने यह जानकारी दी है।

ब्रिटिश सरकार में ऋषि सुनक का पद चांसलर ऑफ द एक्सचेकर का है, यानी वो वित्त मंत्रालय के चांसलर हैं। चांसलर के रूप में वह आर्थिक मोर्चे पर कोरोना के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व कर रहे हैं। ब्रिटिश सरकार में वरिष्ठता के स्थापित क्रम में सुनक स्वतः ही प्रधानमंत्री के डिप्टी के रूप में काम करने वालों में अग्रिम पंक्ति में आ जाएंगे। बता दें कि ब्रिटेन का कोई लिखित संविधान नहीं है।

ऋषि सुनक। फाइल

ब्रिटिश सरकार में शीर्ष कमांड की चेन के बारे में पूछे जाने पर डाउनिंग स्ट्रीट में जॉनसन के प्रवक्ता ने कहा, 'वरिष्ठता का एक स्थापित क्रम है। प्रधानमंत्री ने विदेश मंत्री (राब) को अपने पहले राज्य मंत्री के रूप में नियुक्त किया है। वरिष्ठता के क्रम में, चांसलर (सुनक) विदेश मंत्री के बाद आएंगे।' ब्रिटेन में कोरोना वायरस के तेजी से बढ़ते प्रकोप को देखते हुए नेतृत्व को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। प्रधानमंत्री जॉनसन संक्रमित हैं और इस समय अस्पताल के आइसीयू में हैं। उनके कई मंत्री भी कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं।

न्यूज गैलरी

अमेरिकी गायक जॉन प्राइन की कोरोना से मौत

लॉस एंजिलिस : अमेरिका के नामी लोक गायक और गीतकार जॉन प्राइन की मंगलवार को कोरोना संक्रमण के कारण मौत हो गई। वह 73 वर्ष के थे। ग्रैमी पुरस्कार से सम्मानित प्राइन की नैसविले के अस्पताल में इलाज के दौरान मौत की पुष्टि उनकी पत्नी ने की। करियर के शुरुआती वर्षों में कभी डाकिये की नौकरी करने वाले प्राइन चिट्ठियां बांटते हुए अपने गीत रचा करते थे। शिकागो में दिन में नौकरी और शाम को संगीत के कार्यक्रमों में शिरकत करने वाले प्राइन ने कुछ समय के लिए सेना में भी नौकरी की थी। बाद में उन्होंने गीत-संगीत को ही अपना जीवन बना लिया। उन्हें 1991 और 2005 में प्रतिष्ठित ग्रैमी पुरस्कार से नवाजा गया था। (रायटर)

दक्षिण कोरिया में विदेशियों के प्रवेश पर और सख्ती

सियोल : दक्षिण कोरिया ने कोरोना के नए मामले रोकने के लिए अपनी सीमाओं पर पाबंदियां और बढ़ा दी हैं। बुधवार को कोरोना महामारी पर हुई बैठक में प्रधानमंत्री चुंग साई-क्युन ने कहा कि बेहद जरूरी नहीं होने पर विदेशी नागरिकों को दक्षिण कोरिया में प्रवेश की अनुमति नहीं मिलेगी। इसके अलावा उन मुल्कों के नागरिकों को भी दक्षिण कोरिया में दाखिले की अनुमति नहीं होगी जहां दक्षिण कोरियाई लोगों को प्रवेश नहीं दिया जा रहा। प्रतिबंधित सूची में वीजा-फ्री सुविधा पाने वाले यात्रियों को भी शामिल किया गया है। संक्रमण रोकने के लिए दक्षिण कोरिया में गत एक अप्रैल से विदेश से आने वाले सभी लोगों को अनिवार्य रूप से दो हफ्ते के लिए क्वारंटाइन में रखा जा रहा है। 5.1 करोड़ की आबादी वाले देश में कोरोना पीड़ितों की संख्या दस हजार से ज्यादा है। अब तक 200 लोगों की मौत हो चुकी है। (एपी)

अंटार्कटिका गए क्रूज के 128 यात्री निकले कोरोना पॉजिटिव

मोटेंवीडियो : अंटार्कटिका की यात्रा पर गए एक ऑस्ट्रेलियाई क्रूज पर सवार 217 यात्रियों में से 128 कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इनके अलावा क्रूज पर सवार छह अन्य लोगों की खराब हालत को देखते हुए उनका उरुग्वे की राजधानी मोटेंवीडियो में इलाज चल रहा है। सभी की हालत स्थिर बनी हुई है। फिलहाल क्रूज को मोंटेवीडियो के तट पर खड़ा किया गया है। ग्रेग मॉर्टिमर नाम का यह जहाज 15 मार्च को अंटार्कटिका और साउथ जॉर्जिया की यात्रा पर रवाना हुआ था। ऑरोरा एक्सपेडिशन कंपनी के इस क्रूज में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अमेरिका और यूरोप के कुछ देशों के यात्री सवार हैं। कोरोना जांच में निगेटिव पाए गए लोगों को अब हवाई रूट से उनके देश पहुंचाया जाएगा। (एपी)

ट्रंप ने दी डब्ल्यूएचओ की फंडिंग रोकने की धमकी

नाराजगी ▶ स्वास्थ्य संगठन पर चीन केंद्रित होने का लगाया आरोप

वैश्विक संस्था को पिछले साल अमेरिका से करीब तीन हजार करोड़ और चीन से तीन सौ करोड़ रुपये मिले

वाशिंगटन, प्रेट्र: कोरोना वायरस से जूझ रहे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का गुस्सा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को लेकर सातवें आसमान पर पहुंच गया है। उन्होंने वैश्विक संस्था के फंड को रोकने की धमकी तक दे डाली है। इससे पहले उन्होंने डब्ल्यूएचओ को चीन केंद्रित होने का आरोप लगाते हुए कहा था कि उसने महामारी के बारे में सही समय पर सही जानकारी नहीं दी।

व्हाइट हाउस में नियमित प्रेस कांफ्रेंस में ट्रंप ने कहा, 'हम डब्ल्यूएचओ को दिए जाने वाले धन को रोकने जा रहे हैं। हम देखेंगे कि सख्ती के साथ उस पर रोक लगे। यह काम करता है तो बहुत अच्छी बात है। उनकी हर सलाह गलत हुई, जो सही नहीं है।' इस महामारी के प्रसार को रोकने के लिए डब्ल्यूएचओ की तरफ से जारी किए गए शुरुआती दिशानिर्देशों की भी ट्रंप ने निंदा की।

डोनाल्ड ट्रंप। फाइल

जेनेवा में मुख्यालय वाले डब्ल्यूएचओ को अमेरिका से बहुत बड़ी रकम मिलती है। पिछले साल अमेरिका ने डब्ल्यूएचओ को 40 करोड़ डॉलर (लगभग तीन हजार करोड़ रुपये) दिए थे, जबकि चीन से उसे मात्र चार करोड़ डॉलर (लगभग 280 करोड़ रुपये) मिले थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'हम उनके पैसे के बहुत या ज्यादातर हिस्से का भुगतान करते हैं। मैंने जब यात्रा पाबंदियां लगाई तो उन्होंने इसकी आलोचना की या उससे असहमति जताई। वे गलत थे। वे बहुत सारी चीजों को लेकर भी गलत थे। शुरू में ही उनके पास बहुत सूचना थी, लेकिन वो देना नहीं चाहते थे, वे बहुत ज्यादा चीन केंद्रित जान पड़ते हैं।'

डोनाल्ड ट्रंप के आरोपों को डब्ल्यूएचओ ने गलत बताया

यूरोप मामलों के लिए डब्ल्यूएचओ के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. हंस क्लूज ने ट्रंप केसंस्था के चीन केंद्रित होने के आरोपों को गलत बताया है। उन्होंने यह भी कहा कि अभी हम महामारी के दौर से गुजर रहे हैं और यह समय फंड रोकने का नहीं है। वहीं, महानिदेशक के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. ब्रूस अलवार्ड ने चीन के साथ वैश्विक संस्था के संबंधों का बचाव करते हुए कहा कि वुहान से शुरू हुए महामारी के बारे में समझने के लिए बीजिंग के साथ काम करना जरूरी था।

इस बीच, अमेरिकी संसद के उच्च सदन के विदेश मामलों संबंधित कमेटी के चेयरमैन सीनेटर जिम रिच ने कोविड-19 से निपटने में डब्ल्यूएचओ की भूमिका की निष्पक्ष जांच की मांग की है। वहीं, सीनेटर मार्को रूबियो ने चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी पर कोरोना को लेकर दुनिया को गलत जानकारी देने के लिए डब्ल्यूएचओ का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है।

युद्धपोत संक्रमण मामले में नौसेना प्रमुख ने दिया इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसियां : अमेरिका के कार्यवाहक नौसेना प्रमुख थॉमस मोडली ने इस्तीफा दे दिया है। विमानवाहक युद्धपोत यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट पर कोरोना संक्रमण की स्थिति से निपटने और उसके कप्तान ब्रेट क्रोजियर को हटाने के बाद उठे सवालों के बीच उन्होंने यह कदम उठाया है। अमेरिकी रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने मंगलवार को कहा कि सेवानिवृत्त एडमिरल जिम मैकफर्सन कार्यवाहक नौसेना प्रमुख के तौर पर मोडली की जगह लेंगे। चार महीने में नौसेना प्रमुख के पद से इस्तीफा देने वाले मोडली दूसरे व्यक्ति हैं।

क्रोजियर को हटाने के बाद सोमवार को गुआम पहुंचे मोडली ने युद्धपोत के चालक दल के सदस्यों के समक्ष अपने फैसले को सही ठहराने की कोशिश की थी। वहां दिए अपने भाषण में मोडली ने क्रोजियर पर विश्वासघात का आरोप लगाने के साथ ही उन्हें 'भोला और बेवकूफ' बताया था। इसके कुछ घंटे बाद वाशिंगटन लौटते ही थॉमस मोडली ने माफी मांगी थी, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रेट क्रोजियर पर की गई उनके द्वारा कार्रवाई पर सवाल उठाए और मामले में प्रत्यक्ष रूप से हस्तक्षेप की बात कही।

नौसेना प्रमुख थॉमस मोडली के इस्तीफे की सूचना ट्विटर पर देते हुए एस्पर ने कहा, 'इस बारे में राष्ट्रपति ट्रंप को सूचना दे दी गई है। मोडली ने नौसेना और नौसैनिकों को खुद से ज्यादा महत्व देते हुए इस्तीफा दिया है ताकि रूजवेल्ट और नौसेना एक प्रतिष्ठान के तौर पर आगे बढ़ सकें।'

- संक्रमण की शिकायत पर विमानवाहक पोत के कप्तान को हटाने पर उठे थे सवाल
- थॉमस मोडली चार महीने में नौसेना प्रमुख के पद से इस्तीफा देने वाले दूसरे व्यक्ति

इस्तीफा दुर्भाग्यपूर्ण : ट्रंप

मोडली के इस्तीफे को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए ट्रंप ने कहा, नौसेना प्रमुख के इस्तीफे में मेरी कोई भूमिका नहीं है। उन्हें पोत के कमांडर क्रोजियर को पत्र नहीं लिखना चाहिए था। मोडली को भी उन्हें चुप रहने के लिए नहीं कहना चाहिए था। मैंने उनसे बात नहीं की है, लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने समस्या को खत्म करने के लिए यह कदम उठाया है।

युद्धपोत के 100 से ज्यादा सदस्य कोरोना संक्रमित

गुआम में पिछले 11 दिनों से खड़े युद्धपोत के कमांडर ब्रेट क्रोजियर ने पोत पर कोरोना संक्रमण के प्रकोप की जानकारी दी थी और पेंटागन (रक्षा विभाग) से इसे खाली करने की अनुमति मांगी थी। क्रोजियर ने मीडिया में लीक हुए पत्र में लिखा था, 'हम फिलहाल कोई युद्ध नहीं लड़ रहे, ऐसे में नौसैनिकों का मरना जरूरी नहीं है।' पोत के 100 से ज्यादा सदस्य संक्रमित पाए गए हैं। मीडिया में यह पत्र लीक होने के बाद मोडली ने कमांडर क्रोजियर को उनके पद से हटा दिया था। इसके लिए मोडली की चौतरफा आलोचना हुई थी और इसे उस सम्मानित अधिकारी को दी गई अनुचित सजा बताया गया था, जो अपने मातहतों की भलाई की बात कर रहा था।

सिंगापुर में कोरोना से भारतीय की मौत

सिंगापुर, एजेंसियां: सिंगापुर में बुधवार को कोरोना से एक 32 वर्षीय भारतीय व्यक्ति की मौत हो गई। वह वर्किंग परमिट पर वहां गया था। वहीं एक अन्य भारतीय के कोरोना पॉजिटिव आने के बाद उसे आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है। वह एक अस्पताल में बतौर टेक्नीशियन काम करता है। बता दें कि देश में अभी तक संक्रमण के 1623 मामले सामने आ चुके हैं। बुधवार को भी 142 नए मामले दर्ज किए गए। इनमें से दो को छोड़कर बाकी सभी घरेलू संक्रमण के केस हैं।

जिस व्यक्ति की मौत हुई है, उसने मंगलवार को नेशनल सेंटर फॉर इंफेक्शन डिजीज (एनसीआइडी) में कोरोना का टेस्ट कराया था। यहां के डॉक्टरों ने उसे टेस्ट का परिणाम नहीं आने तक घर पर ही रहने की सलाह दी थी। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक उसके सीने के एक्स-रे से इस बात का पता चलता है कि उसे निमोनिया नहीं था। बुधवार को घर पर ही उसका निधन हो गया। निधन के बाद उसके कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि हुई। हालांकि मौत की असली वजह जानने कोशिश की जा रही है। उधर, एक अन्य भारतीय के संक्रमित होने के बाद उसे एनसीआइडी के आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है।

ईयू ने इटली भेजी डॉक्टरों और नर्सों की टीम

ब्रसेल्स, एजेंसियां: यूरोपीय यूनियन (ईयू) ने रोमानिया और नार्वे से डॉक्टरों और नर्सों की टीम को मिलान और बरगामो भेजा है। यह लोग कोरोना वायरस से लड़ने में मदद के लिए इटली के मेडिकल स्टाफ की मदद करेंगे। बता दें कि यूरोप में महामारी से सबसे ज्यादा इटली प्रभावित है। अभी तक यहां 17,127 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि संक्रमित लोगों की संख्या 1,35,586 हो गई है।

ईयू की ओर से मंगलवार को जारी बयान में कहा गया है कि यूरोपीय यूनियन के सिविल प्रोटेक्शन मेकैनिज्म के जरिये इस मेडिकल टीम को तैनात किया गया है। ऑस्ट्रिया ने भी इटली की मदद के लिए मेकैनिज्म के जरिये 3000 लीटर से अधिक डिसइंफैक्टेंट (कीटाणुनाशक) देने का प्रस्ताव दिया है। यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वोन डेर ने बयान जारी कर कहा, 'इटली में अपने सहकर्मियों की मदद के लिए घर छोड़कर आए नर्स और डॉक्टर यूरोपीय यूनियन की एकजुटता को दर्शाते हैं। ईयू के सदस्य देश इटली और अन्य प्रभावित देशों की मदद के लिए हरसंभव मदद का प्रयास कर रहे हैं।' सार्वजनिक स्थानों और स्वास्थ्य सुविधाओं पर निगरानी रखने के लिए ईयू के कॉपरनिकस सैटेलाइट सिस्टम को भी इटली ने सक्रिय कर दिया है। इससे पहले चीन ने इटली को दो लाख सर्जिकल मास्क, दो लाख एन-95 मास्क और 50000 टेस्टिंग किट दिए है।

- हांगकांग में सोशल डिस्टेंसिंग की मियाद 23 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। यहां पर अभी तक 936 लोग संक्रमित हो चुके हैं जबकि चार लोगों की मौत हुई है
- सिंगापुर में एक दिन में सबसे अधिक 142 संक्रमण के मामले सामने आए हैं। देश में कुल संक्रमित लोगों की संख्या 1,623 हो गई जबकि सात लोगों की मौत हो चुकी है

डॉक्टर और नर्सों की मानसिक स्थिति पर पड़ रहा गंभीर प्रभाव: इटली और स्पेन के अस्पतालों के आइसीयू में मरीजों की संख्या में कमी जरूर आई है, लेकिन यहां काम करने वाले डॉक्टर और नर्सें भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक रूप से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। कहीं-कहीं तो ये लोग स्वयं को क्षति भी पहुंचा रहे हैं। इटली में दो नर्सों द्वारा आत्महत्या करने का मामला तो कुछ दिनों पहले का ही है। मनोवैज्ञानिक चिकित्साकर्मियों को ऑनलाइन मुफ्त परामर्श दे रहे हैं, लेकिन लोंबार्डी क्षेत्र के हेल्थ केयर ट्रेनिंग अकादमी के निदेशक डॉ. एलेसेंड्रो कोलंबो इसके पीछे एड्रेनालाइन हार्मोन में वृद्धि को बड़ी वजह मानते हैं। उनका कहना है कि यह हार्मोन एक महीने तक सामान्य तरह से काम करता है, लेकिन अब दूसरा महीना शुरू हो चुका है, जिसके चलते ये लोग शारीरिक और मानसिक रूप से थक चुके हैं। उनके प्रारंभिक शोध के अनुसार मरीजों की दशा का डॉक्टरों और नर्सों पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। बरगामो के एक अस्पताल में नर्स फेरारी ने कहा, 'जब आप मरीज के लिए सब कुछ करते हैं और वह नहीं बचता है तो इसका गंभीर असर पड़ता है।' फेरारी की सहयोगी मारिया बर्डार्डेली ने कहा कि चिकित्साकर्मियों को मरीजों को मरते देखने की आदत नहीं है। जब ऐसा कई बार होता है तो उसका बहुत ही मनोवैज्ञानिक असर होता है। यह वायरस बहुत-बहुत मजबूत है। बता दें चिंता संबंधी विकारों और पोस्ट-ट्रॉमेटिक विकार वाले लोगों को एड्रेनालाइन की वृद्धि का अनुभव होता है जब उन्हें किसी ऐसी चीज की याद दिलाई जाती है, जो पिछले दिनों घटित हुई हो और जो उनकी भय की भावना को उकसाती हो। जब ऐसा प्रतिदिन कई बार या प्रति सप्ताह कई बार होता है तो यह हमारे शरीर और दिमाग पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

स्पेन में 757 और लोगों की मौत : स्पेन में पिछले चौबीस घंटे में 757 लोगों की मौत हुई है। इस तरह देश में मृतकों की संख्या 14,555 हो गई है। एक दिन पहले 743 लोगों की मौत हुई थी। संक्रमित लोगों का आंकड़ा 140,510 से बढ़कर 146,690 हो गया है। स्पेन में महामारी की स्थिति को इससे समझा जा सकता है कि लोगों को अपने प्रियजनों के अंतिम संस्कार के लिए एक सप्ताह तक इंतजार करना पड़ रहा है। कब्रिस्तान के एक पादरी के मुताबिक बुरे दिनों में 10-15 शव आते थे, लेकिन अब इनकी संख्या 40 के लगभग हो गई है। उधर, इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के मुताबिक अगर देश में लॉकडाउन मई से आगे बढ़ता है तो इससे अर्थव्यवस्था ना केवल बुरी तरह प्रभावित होगी, बल्कि लगभग आठ लाख लोग बेरोजगार होंगे।

ईरान में मृतकों की संख्या चार हजार के लगभग हुई : ईरान में पिछले चौबीस घंटे में 121 और मौतें हुई हैं। इस तरह वहां मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,993 हो गई है। पिछले चौबीस घंटे में संक्रमण के 1,997 नए मामले सामने आए हैं। देश में संक्रमित लोगों की संख्या 64,586 हो गई है। 3,956 लोगों की हालत चिंताजनक जबकि 29,812 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। ईरान में अभी तक 220,975 लोगों का टेस्ट किया जा चुका है।

टोक्यो में संक्रमण के 144 मामले : टोक्यो में एक दिन में 144 संक्रमण के मामले सामने आए हैं। इस तरह जापान की राजधानी में संक्रमण के कुल मामले 1,339 हो गए हैं जबकि पूरे देश में इसकी संख्या 4600 है। 98 लोगों की मौत भी हुई है।

देश	मौतें	संक्रमित
इटली	17,127	135,586
स्पेन	14,555	146,690
अमेरिका	12,857	400549
फ्रांस	10,328	109,069
ब्रिटेन	6159	55,242
ईरान	3,993	64,586
चीन	3,333	81,802

प्रतिबंध हटाने का अमेरिका से आग्रह करेगा कनाडा : कनाडा कोरोना से लड़ने के लिए चिकित्सा आपूर्ति के निर्यात को अवरुद्ध नहीं करने का अमेरिका से आग्रह करेगा। राष्ट्रपति जस्टिन ट्रूडो ने एक प्रेसवार्ता में कहा कि 3एम कंपनी की तरफ से पांच लाख एन95 मास्क बुधवार को पहुंचने की उम्मीद है। बता दें कि अभी तक कनाडा में 345 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 17,063 लोग संक्रमित हैं।

मृतकों की संख्या 82,726 हुई : कोरोना से दुनिया में मरने वालों की संख्या बुधवार को 82,726 हो गई है जबकि 193 देशों के 14,38,290 लोग संक्रमित हैं।

राहत

1.1 करोड़ लोगों को अब आने-जाने के लिए नहीं लेनी होगी विशेष अनुमति

वुहान में 73 दिन बाद लॉकडाउन खत्म, पटरी पर लौटी जिंदगी

बीजिंग, एजेंसियां: कोरोना महामारी का केंद्र बिंदु रहे चीन के वुहान शहर में 73 दिन बाद बुधवार आधी रात से लॉकडाउन खत्म हो गया। शहर के 1.1 करोड़ लोगों को अब कहीं भी आने-जाने के लिए विशेष अनुमति की जरूरत नहीं होगी, बशर्ते अनिवार्य स्मार्ट फोन एप्लिकेशन में यह स्पष्ट होना चाहिए कि वे स्वस्थ हैं और किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में नहीं आए हैं। वुहान में 23 जनवरी को लॉकडाउन लागू किया गया था। संक्रमण रोकने के लिए बस और ट्रेन सेवा पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही विमान सेवा भी रोक दी गई थी। सिर्फ जरूरी कामों को छोड़कर लोगों को अपने घरों से बाहर निकलने की भी इजाजत नहीं थी। शहर की सीमाओं को भी सील कर दिया गया था।

लॉकडाउन हटने के साथ ही शहर से गुजरने वाली यांगतेज नदी के दोनों किनारों पर लाइट शो हुआ। गगनचुंबी इमारतों और पुलों पर ऐसी छवियां तैर रहीं थीं जिनमें स्वास्थ्यकर्मी मरीजों को ले जाते दिख रहे थे। कई जगह वुहान के लिए 'हीरोइक सिटी' शब्द लिखे दिखाई दे रहे थे। तटबंधों और पुलों पर नागरिक झंडे लहरा रहे थे और 'वुहान आगे बढ़ो' के नारे लगाते हुए चीन का राष्ट्रगान गा रहे थे। शानदोंग प्रांत के मूल निवासी गुओ लेई वुहान में अपना व्यवसाय चलाते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं वुहान में आठ साल से रह रहा हूं। महामारी के चलते हम सभी यहां फंस गए थे।' एक अन्य व्यक्ति तोंग झेंगकुन ने कहा, 'मुझे बाहर निकले 70 दिन से भी ज्यादा का वक्त हो गया। जिस इमारत में रहता था वहां संक्रमित व्यक्ति मिले थे, जिसके बाद पूरी इमारत को बंद कर दिया गया था।' लॉकडाउन खत्म होते ही सड़कों पर कारों के साथ ही सैकड़ों लोग शहर से बाहर जाने के लिए ट्रेनों और विमानों का इंतजार करते दिखे तो कई लोग नौकरी पर जाने को बेताब नजर आए।

माना जा रहा है कि ट्रेन के जरिये करीब 53 हजार लोग वुहान से बाहर गए। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के अखबार ने हालांकि इतनी जल्दी जश्न मनाने को लेकर चेतावनी दी है।

वुहान के कारखानों में शुरू हुआ काम : चीन में कोरोना वायरस का केंद्र रहे वुहान शहर में लॉकडाउन खत्म होने के साथ कारखानों में कामकाज भी शुरू हो गया है। यह तस्वीर डोंगफेंग होंडा ऑटोमोबाइल फैक्ट्री की है। बता दें कि चीन में वुहान भारी उद्योग खासकर ऑटो उद्योग का मुख्य केंद्र है। एपी

संक्रमण के 62 नए मामले सामने आए

चीन में मंगलवार को संक्रमण के 62 नए मामले सामने आए। घरेलू संक्रमण के तीन मामलों को छोड़ दें तो बाकी संक्रमित लोग विदेश से आए थे। इस तरह विदेश से आए संक्रमित लोगों की संख्या 1,042 हो गई। मंगलवार को बिना लक्षण वाले कोरोना संक्रमित 137 लोगों के नामों की सूची भी जारी की गई। मंगलवार को दो लोगों की मौत भी हुई। इनमें एक मौत शंघाई और दूसरी हुबेई प्रांत में हुई। देश में मृतकों की कुल संख्या 3,333 हो गई है। अकेले वुहान में 50 हजार से ज्यादा लोग संक्रमित हैं।

अमेरिका के विस्कांसिन प्रांत में प्राइमरी चुनाव में उमड़े मतदाता

मेडिसन, एपी : अमेरिका में भले ही कोरोना महामारी को लेकर हाहाकार मचा हो, लेकिन चुनावी राजनीति ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह ताक पर रख दी। मंगलवार को अमेरिकी प्रांत विस्कांसिन में रिपब्लिकन पार्टी ने राष्ट्रपति प्रत्याशी के लिए प्राइमरी चुनाव कराया। इस दौरान वोट डालने के लिए बड़ी संख्या में लोगों को पोलिंग स्टेशन के बाहर लाइन में खड़े देखा गया। कई लोगों ने एब्सेंटी बैलेट नहीं मिलने की भी शिकायत की। यह मतपत्र उन वोटरों को दिए जाते हैं, जो किसी कारणवश निर्धारित मतदान केंद्र नहीं पहुंच सकते हैं।

विस्कांसिन में कोरोना संक्रमण के 2500 मामले सामने आए हैं जबकि 92 लोगों की मौत हो चुकी है। सबसे ज्यादा 49 मौतें प्रांत के सबसे बड़े शहर मिलवाकी में हुई हैं।

गर्भवती और कोरोना संक्रमित 34 वर्षीय हन्ना ग्लीसन ने बताया कि उन्होंने एब्सेंटी बैलेट का अनुरोध पिछले सप्ताह किया था, लेकिन मंगलवार तक उन्हें यह मतपत्र नहीं मिला। उन्होंने कहा, यह वास्तव में अनुचित, अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक है। मताधिकार को दबाने का यह सबसे अच्छा तरीका है। इसे सही नहीं कहा जा सकता है।

- बड़ी संख्या में पोलिंग स्टेशन के बाहर लाइन में खड़े दिखे लोग
- कई लोगों ने एब्सेंटी बैलेट नहीं मिलने की शिकायत भी की

मिलवाकी के 180 मतदान केंद्रों में से सिर्फ पांच में वोट डाले गए, जिसके चलते मतदान केंद्रों के बाहर लंबी लाइनें लगी रहीं। माना जा रहा है कि अश्वेत मतदाताओं के बाहुल्य वाले इस प्रांत में अगर इस समुदाय की वोटिंग कम हुई तो रिपब्लिकन को लाभ होगा।